

**Loss Incurred from Public Call Offices**

2284. Shri D. C. Sharma: Will the Minister of Transport and Communications be pleased to state the amount of loss incurred during 1958 (upto the 31st August, 1958) from Public Telephone Call Offices in New Delhi due to insertion of bad coins etc.?

The Minister of Transport and Communications (Shri S. K. Patil): Rs. 2755.72 nP.

**Price of Paddy and Rice in Punjab**

2285. Shri D. C. Sharma: Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state what is the basis on which the price of paddy and rice is fixed in Punjab?

The Minister of Food and Agriculture (Shri A. P. Jain): The maximum controlled prices of paddy and rice were fixed after taking into consideration the post-harvest ruling prices in the preceding two years, the prices in force under the Monopoly Scheme of Procurement of the Government of Punjab during the year 1953 and the recommendation of the Foodgrains Enquiry Committee in regard to procurement prices of rice and paddy.

**दिल्ली के गांवों में कीड़ों को नष्ट करना**

2286. श्री नवल प्रभाकर : क्या सामुदायिक विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) फसल को नष्ट करने वाले कीड़ों तथा अन्य बीमारियों से बचाने के लिये दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों में कीड़ों को नष्ट करने तथा खेती के भोजारों के प्रयोग के बारे में ग्राम सेवकों ने १९५५-५६ और १९५६-५७ में कितने प्रदर्शन किये; और

(ख) किसानों को ये तरीके सिखाने के लिये ऐसे प्रदर्शन करवाने के निमित्त क्या कोई फ़ौज देनी पड़ती है ?

सामुदायिक विकास मंत्री (श्री सु० कु० डे) : (क) कीड़ों को नष्ट करने और खेती के उन्नत भोजारों को सिखाने के लिये ग्राम सेवकों द्वारा किये गये प्रदर्शनों की संख्या नीचे दी गई है :

| वर्ष    | कीड़ों को नष्ट करने के लिये | खेती के भोजारों को सिखाने के लिये |
|---------|-----------------------------|-----------------------------------|
| १९५५-५६ | ५६१                         | ५३०                               |
| १९५६-५७ | १,०५२                       | १,१०८                             |

(ख) नहीं ।

**उत्तर रेलवे में सार्वजनिक टेलीफोन**

2287. { श्री भक्त बर्मान :  
श्री रामेश्वर टट्टिया :

क्या रेलवे मंत्री १९ दिसम्बर, १९५६ के अतिरिक्त प्रश्न संख्या ११७५ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर रेलवे के किन-किन स्टेशनों पर इस बीच सार्वजनिक टेलीफोन लगाये गये हैं ; और

(ख) शेष रेलवे स्टेशनों पर यह सुविधा देने के बारे में कौनसा कार्यक्रम तैयार किया गया है ?

रेलवे उपमंत्री (श्री शाहनवाज खां) :

(क) डाक और तार विभाग ने उत्तर-रेलवे के ८२ स्टेशनों पर सार्वजनिक टेलीफोन लगाये हैं । इन स्टेशनों की सूची सभा पटल पर रख दी गई है । [दिल्लिये परिशिष्ट ५, अनुबन्ध संख्या १३३]

(ख) कार्यक्रम डाक और तार विभाग द्वारा तैयार किया जाता है । इस तरह का कार्यक्रम बनाने समय इन बातों पर ध्यान दिया जाता है कि प्रमुख स्टेशन पर सार्वजनिक टेलीफोन लगाने के लिये जनता की मांग है या नहीं, सार्वजनिक टेलीफोन लगाने से